शान्तिदूतों ने किया शांति कुंज का भव्य लोकार्पण

भौड़ाकला। दिल्ली की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एन सी आर) में बने ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शान्ति रिट्रीट सेंटर में शान्ति कुंज नामक नये भवन का उद्घाटन सम्पन्न हुआ। उद्घाटन स्थल पर सर्वप्रथम परमात्मा शिव की दिव्य स्मृति में ध्वजारोहण तथा गगन चुंबी गुब्बारों के साथ आकाशीय पुष्प वर्षा की गयी। संस्था की प्रमुख प्रशासिका दादी जानकी तथा अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी का दैवी रीति से स्वागत किया गया। संस्था के अतिरिक्त सचिव ब्र.कु.बृजमोहन द्वारा फूलों से सजे क्लब कार में दोनों शान्तिदूतों को बिठाकर ओ.आर.सी. परिसर का दृश्यावलोकन कराया गया। दादी जानकी जी ने रिमोट से शान्ति कुंज भवन का उद्घाटन किया। इस भवन में तीन सौ से अधिक लोगों के ठहरने की समुचित व्यवस्था है। ब्र.कु. बृजमोहन ने आदरणीय दादियों का हृदयस्पर्शी शब्दों द्वारा स्वागत किया। गीत तथा नृत्य द्वारा भी दादियों का भव्य स्वागत किया गया।

ओ.आर.सी.। 'शान्ति कुंज' भवन का उद्घाटन करते हुए दादी जानकी तथा दादी हृदयमोहिनी साथ हैं ब्र.कु.आशा, ब्र.कु.बृजमोहन, ब्र.कु.शुक्ला तथा अन्य।

सुपात्र को स्वतः प्राप्त होता है आशीर्वाद

दादी जानकी तथा दादी हृदयमोहिनी उपस्थित विशिष्टजनों को सम्बोधित करते हुए।

ओ.आर.सी.। भगवान से आशीर्वाद मांगना नहीं पड़ता, सुपात्र बनेंगे तो स्वत: ही आशीर्वाद मिलेगी। जिसके सिर पर भगवान का हाथ है वो सदा ही सेफ है।

उक्त विचार ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने 'शान्ति की शक्ति की अनुभूति' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होने कहा कि दु:ख का कारण है दिल में सच्चाई का नहीं होना। जीवन से तीन बातें निकाल दो, पहला कभी झूठ नहीं बोलना। हमने जीवन में कभी झूठ नहीं बोला। दुनिया में लोग सच बोलने से डरते हैं और हम झूठ बोलने से। दूसरा, ठगी नहीं करना। करो एक और दिखाओ दूसरा। तीसरा, किसी की निंदा नहीं करना। किसी की निंदा करेंगे तो नींद नहीं आएगी। निंदा मनुष्य को दुखी बनाती है। अगर इन बातों से फ्री हो गए तो शांति का अनुभव करेंगे। मन-वचन-कर्म में सदा पवित्रता हो, तभी सत्यता काम करेगी। जब सत्यता होगी तो धैर्यता आएगी। क्यूं हुआ, क्या हुआ, यह नहीं निकलेगा, अहंकार मर गया अपमान चला गया। 'मेरे पन' का मोह समाप्त हो जाए। नम्रता का गुण धारण किया होगा तो वाणी में मधुरता भी सदा कायम रहेगी। मन शुद्ध होने से कर्म भी श्रेष्ठ होंगे। अपनी दिल सच्ची और साफ रखें।

ब्रह्माकुमारी संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि शांति प्राप्त करने के लिए सर्वप्रथम हमें शांति के दाता परमात्मा को जानना व उससे सम्बन्ध जोड़ना होगा। आत्म-स्वरूप में स्थित होंगे तो परमात्म-अनुभूति होगी।

ब्रह्माकुमारी संस्था के कार्यकारी सचिव ब्र.कु.बृजमोहन ने कहा कि शांति के लिए साइलेन्स जरूरी है।

कार्यक्रम के दौरान दोनों दादियों ने अपनी शक्तिशाली दृष्टि द्वारा सबको शान्ति की अनुभूति कराई।

मन को शक्तिशाली बनाता है राजयोग

ज्ञानसरोवर। राजस्थान के खेल मंत्री मांगीलाल गरासिया ने ब्रह्माकुमारीज खेल प्रभाग द्वारा 'मूल्य आधारित खेल - समय की पुकार' विषय पर आयोजित सम्मेलन में देश भर से आए करीब पाँच सौ खिलाड़ियों एवं उनके प्रशिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मूल्यों को आधार बनाकर खिलाड़ी हर सफलता प्राप्त कर पाएंगे। यह संस्थान आपकी मदद के लिए प्रस्तुत है। मानसिक शक्ति को बढ़ाकर हर खेल में आगे बढ़ सकते हैं। समय का सदुपयोग कर लें और ध्यान सीख कर मन की एकाग्रता स्थापित करें।

मध्य प्रदेश शासन के खाद्य मंत्री पारस जैन ने कहा कि खेल एवं योग के माध्यम से हम जीवन में काफी कुछ कर सकते हैं। मन में मात्र ऐसी भावना का होना अनिवार्य है। ब्रह्माकुमारीज खेल के क्षेत्र में महान योगदान कर रही है।

ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि खिलाड़ी अर्थात उमंग उत्साह। उमंग उत्साह का पंख लगाकर वे जहाँ तक उड़ना चाहें उड़ पाएंगे। राजयोग हमारा उमंग उत्साह बरकरार रखने में सहयोगी होता है। राजयोग के अभ्यास से हमारे अंदर एकाग्रता की शक्ति जागृत रहेगी। खेल प्रारंभ करने से पूर्व अगर हम परमात्मा की स्मृति में अपना मन लगाएं, तो उनकी शक्ति और सहयोग हमें सदैव प्राप्त होता रहेगा और हम सफल हो जाएंगे। राजयोग से मन नियंत्रित रहेगा।

मोरक्को से पधारे मुहम्मद हसन ने कहा कि खुद को जानना सभी खेल प्रेमियों के लिए जरूरी है। दूसरों को जीतने से पहले स्वयं को जीतना आवश्यक है। प्रतियोगिता भी एक महान मूल्य है। यह हमें आगे बढ़ाती है। सभी मूल्य परमसत्ता की स्मृति से प्राप्त किये जा सकते हैं।

राजस्थान विश्वविद्यालय खेल प्रभाग के डीन प्रो.महेंद्र सिंह चूड़ावत ने कहा कि आप सभी देश का नाम रोशन करने वाले हैं। खिलाड़ियों की काया निरोगी रहनी चाहिये। इसके लिए व्यायाम आदि आवश्यक है। साथ ही मानसिक शक्ति

-शेष पेज 11 पर..

ज्ञानसरोवर। दादी रतनमोहिनी, राजस्थान के खेल मंत्री मांगीलाल गरासिया, म.प्र.के खाद्य मंत्री पारस जैन,ब्र.कु.शशीप्रभा तथा अन्य उद्घाटन करते हुए।

भारत - वार्षिक 170 रुपये
तीन वर्ष 510 रुपये
आजीवन 4000 रुपये
विदेश - 2000 रूपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

ओम शान्ति मीडिया
सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ब्रह्माकुमारीज, शांतिवन, तलहटी
पोस्ट बॉक्स नं. - 5, आबू रोड (राज.) 307510
Enquiry For Membership, Mob. No. - 09414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज् मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।